This question paper contains 8+4 printed pages]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

137

B.Com. **(बी.कॉम.)/I** J-I

Paper V—HINDI (B)

प्रश्नपत्र V—हिंदी (ख)

(भाषिक प्रयोग एवं क्षमता, संप्रेषण-क्षमता, काव्य-संकलन, गद्य-संकलन, द्रुतवाचन इत्यादि)

(प्रवेशवर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. (क) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(*i*) राष्ट्रभाषा हिंदी।

(*ii*) मानक भाषा से अभिप्राय।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

ओद्योगिक, व्यवसायिक, प्रनाम, श्रीपती, विशेस, संमान, द्वन्द, द्रश्य, द्वारका, कालीदास, आधीन, बजार, आर्शीवाद, मात्रभूमि।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** के शुद्ध रूप लिखिए :

(*i*) मैं सभी को नमस्कार भेजता हूँ।

(*ii*) अनेकों लोग दिखाई दे रहे थे।

(*iii*) मैंने तुम्हारी बड़ी प्रतीक्षा की।

(*iv*) किशन गरम आग में चने भून रहा था।

(*v*) तुम्हारे से कोई काम नहीं हो सकता।

(*vi*) वह पीना-खाना सब भूल गया।

(*vii*) तुमने मेरे घर आना है। 5

(ग) निम्नलिखित को वर्णक्रमानुसार लिखिए :

समर्थन, पुरस्कार, आगम, चक्कर, अनुमोदन, खटराग, तराजू, टन-टन, राजनीति, प्रमाण।

अथवा

द्विभाषी कोश की उपयोगिता का उल्लेख कीजिए। 5

(घ) 'बैंकिंग में हिंदी-भाषा का प्रयोग ग्राहक सेवा विस्तार की दृष्टि से कितना सफल है ? स्पष्ट कीजिए। 5

(ङ) किन्हीं **दस** शब्दों के हिंदी प्रतिरूप लिखिए :

Mortgage, Currency, Lending, Deduction, Treasury, Insured, Agreement, Credit, Allottee, Endorsement, Annexure, Section, Agenda, Security, Ownership. 5

2. (क) किसी व्यावसायिक इकाई में 'प्रशासनिक अधिकारी' पद हेतु आवेदन पत्र देने के लिए स्ववृत्त (बायो-डाटा) तैयार कीजिए।

अथवा

अपने महाविद्यालय में क्रिकेट ग्राउण्ड और क्रिकेट-किट सम्बन्धी सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्राचार्य को पत्र लिखिए। 5

(ख) भेंट वार्ताकार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5

(ग) किसी सामयिक घटना पर आधारित **एक** संस्मरण लिखिए। 5

3. (क) निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भेड़िए की आँखें सुर्ख़ हैं।

उसे तब तक घूरो

जब तक तुम्हारी आँखें

सुर्ख न हो जाएँ।

और तुम कर भी क्या सकते हो

जब वह तुम्हारे सामने हो ?

यदि तुम मुँह छिपा भागोगे

तो भी तुम उसे

अपने भीतर इसी तरह खड़ा पाओगे

यदि बच रहे।

भेड़िए की आँखें सुर्ख हैं।

और तुम्हारी आँखें ?

प्रश्न :

(*i*) भेड़िया और शोषक वर्ग का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'भेड़िए की आँखें सुर्ख हैं' का आशय स्पष्ट कीजिए। 8

(ख) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सोभित कर नवनीत लिए।

घुटुरुनि चलत रेनु तन-मंडित, मुख दधि लेप किये।

चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिये।

लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिँ पिए।

कठुला-कंठ, बज्र केहरि-नख, राजत रुचिर हिए।

धन्य सूर एकौ पल इहिँ सुख, का सत कल्प जिए॥

अथवा

नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकासु इहिं काल।

अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगैं कौन हवाल॥

या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ।

ज्यौं ज्यौं बूड़े स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होइ॥ 8

4. बिहारी के दोहों में अभिव्यक्त विरहानुभूति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'यह उन्मत्त प्रदर्शन' आधुनिक जन-जीवन का व्यंग्यात्मक चित्र हमारे सामने चित्रित करती है, सोदाहरण समझाइये। 9

5. (क) निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पर उपाय ही क्या था। वह लड़कों से अलग हो कर रहे भी तो नाक किसकी कटेगी ! संसार उसे थूके तो क्या, और लड़कों को थूके तो क्या, बदनामी तो उसी की है। दुनिया तो यही कहेगी कि चार जवान बेटों के होते बुढ़िया अलग पड़ी हुई मजूरी करके पेट पाल रही है। जिन्हें उसने हमेशा नीच समझा, वही उस पर हँसेंगे। नहीं, वह अपमान इस अनादर से कहीं ज्यादा हृदयविदारक था। अब अपना और घर का परदा

ढँका रखने में ही कुशल है। हाँ, अब उसे अपने को नई परिस्थितियों के अनुकूल बनाना पड़ेगा। समय बदल गया है। अब तक स्वामिनी बनकर रही, अब लौंडी बन कर रहना पड़ेगा। ईश्वर की यही इच्छा है, अपने बेटों की बातें और लातें गैरों की बातों और लातों की अपेक्षा फिर भी गनीमत है।

प्रश्न :

(*i*) फूलमती ने क्या सोचकर अपना दु:ख-दर्द पी लिया ?

(*ii*) आशय स्पष्ट कीजिए :

'अब तक स्वामिनी बनकर रही, अब लौंडी बनकर रहना पड़ेगा।' 8

(ख) सप्रंसग व्याख्या कीजिए :

बहू को प्यार तो करना ही चाहिए, पर प्यार में उसे बिगाड़ देना या सिर चढ़ा लेना भी ठीक नहीं। औरत

सरकश हो जाती है तो आदमी को उम्र-भर जोरू का गुलाम ही बना रहना पड़ता है। उसकी जरूरतें पूरी करो, पर रखो अपने काबू में। मार-पीट बुरी बात है, पर यह भी नहीं कि औरत को मर्द का डर ही न रहे ! डर उसे जरूर रहना चाहिए। ···मारे नहीं तो कम-से-कम गुर्रा तो जरूर दे। तीन बात उसकी मानो तो एक में न भी कर दो। वह यह न समझ ले कि जो चाहे कर या करा सकती है। उसे तुम्हारी खुशी-नाराजगी की परवाह रहे। हमारे साहब जैसा हाल न हो जाए। ''·····मैं तो देखकर हैरान रह गया। इंपोरियम से कुछ चीजें लेने के लिए जा रहे थे तो घरवाली को पुकार कर रुपये माँगे। बीबी ने कह दिया—'कालीन इस महीने रहने दो। अगले महीने सही,' तो भीगी बिल्ली की तरह बोले—'अच्छा!' मर्द को रुपया-पैसा तो अपने ही हाथ में रखना चाहिए। मालिक तो मर्द है।''

अथवा

मुझे यह बताने में हरगिज संकोच नहीं कि मैं बेहतर कारोबारी और साफ-सपाट आदमी हूँ। चाहूँ या न चाहूँ, हर चीज की कीमत मेरे यहाँ इस बात पर तय होती है कि वह जरूरी होने के साथ-साथ फायदेमंद भी है या नहीं। स्त्रियों के मामले में भी मेरा दृष्टिकोण सौ फीसदी यही है। न तो मैंने कभी प्रेम किया है और न कभी इस मूर्खता पर विश्वास करता हूँ। मुमकिन है, बहुतों को लगे कि मैं बहुत कारोबारी और बनिया जेहन आदमी हूँ, लेकिन अगर ऐसा है भी तो उसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँ। ऐसा मेरे साथ पहले कभी नहीं हुआ था। अजीब बात है कि चंद्रा से मिलने के बाद मेरे भीतर एक खास तरह की उथल-पुथल शुरू हो गई थी। 8

6. 'सरहद के उस पार' की मूल व्यंजना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'एक दुराशा' निबन्ध का प्रतिपाद्य लिखिए। 9

7. **'दिलो दानिश'** :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) दम्मो ने क्या कहते हुए बदरू के गाल पर तमाचा जड़ दिया ?

(*ii*) बदरू ने अगली बार हवेली आने पर बउआजी के लिए क्या लाने की बात कही ?

(*iii*) 'हवेली में तो जैसे यह मेहमान हुआ करें, असली गृहस्थी तो हजरत यहीं जमाए हुए हैं।' वकील साहब की पत्नी को ऐसा किस आधार पर लगा ?

(*iv*) महक बानो को खां साहब के यहाँ देखकर वकील कृपा नारायण को क्या महसूस हुआ ?

अथवा

'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नइ' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) नाटक में लाहौर की किस विशेषता को महत्त्व दिया गया है ?

(*ii*) नाटक में देश-प्रेम की किसी महत्त्वपूर्ण घटना का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) रतन की माँ के चरित्र की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*iv*) नाटक के किन्हीं **दो** पुरुष-पात्रों का उल्लेख कीजिए। 10